बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर के 15वें स्थापना दिवस समारोह–2024 के अवसर पर किसानों के सफलता की कहानी

कृषक का नामः श्री आशीष कुमार सिंह
ग्राम : गुलरियाचक
प्रखण्ड : टेकारी
जिला : गया
मो0 सं0 : 7004230374

1. प्रारंभिक परिस्थिति (Initial Situation) :

42 वर्षीय श्री आशीष कुमार सिंह बी. टेक. (मेकेनिकल) में स्नातक के साथ–साथ एम. बी. ए. (मार्केटिंग) की भी पढ़ाई की है। कृषक परिवार से ताल्लुकात होने के कारण । उनका खेती से सदा लगाव रहा है, इसलिए इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद उप–प्राचार्य के रूप में अपना योगदान दिया, किन्तु खेती के प्रति झुकाव एवं पुस्तैनी जमीन होने के कारण वे 2016 में नौकरी छोड़कर खेती से जुड़ गए।

श्री सिंह खेती से जुड़कर कुछ नया करना चाहते थे तो उन्होंने किताबों में लेख और सोसल मीडिया पर खेती के नए–नए आयाम की जानकारी लेना शुरू किया ओर अन्ततः 10 एकड़ जमीन में काला धान, काला नमक सुगंधित धान, काला गेहूँ, नीला गेहूँ आदि फसलों का बीज उत्पादन शुरू किया और साथ ही उन्होंने 150 आम के पौधे, 125 एप्पल बेर, 50 अमरूद (ताईवानी पिंक) लगवाये।

2. चुनौती (Challenge) :

- तकनीकी ज्ञान और व्यावसाय में परिपक्वता की कमी
- पहला 2–3 साल उत्पाद बिकने में काफी दिक्कत का सामना करना
- शुरूआत में आर्थिक हानि का सामना करना,
- उपभोक्ताओं की संख्या कम होना
- मौसम का साथ नहीं देना
- कीट–व्याधि एवं खरपतवार के प्रकोप का समय पर निदान में दिक्कत
- बाजार की कमी
- लागत जयादा और आमदनी कम

3. संभावित विकल्प (Solution) :

कृषि की तकनीकी ज्ञान पूर्ण रूप से न होने के कारण उत्पादन लागत अधिक लगता था, इसलिए 2017 में कृषि विज्ञान केंद्र, मानपुर, गया के वैज्ञानिकों से मिलकर विचार–विमर्श किया एवं उन्नत तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया और समय –समय पर तकीनकी सलाह पाते रहे, जिससे उत्पादन लागत में कमी आने के साथ–साथ उत्पादन में भी वृद्धि हुई और शुद्ध मुनाफा बढ़ गया। इसके अलावे संपर्क के लोगों/दोस्तों/रिस्तेदारें को सोसल मीडिया से इन उत्पादों के गुणों की चर्चा की, जिससे बिक्री भी बढ़ गई। सरकारी/गैर–सरकारी संस्थानों द्वारा समय–समय पर किसान मेला/प्रदर्शनी आदि के माध्यमों से काफी उपभोक्ता जुड़ते गए और इस प्रकार आमदनी बढ़ता चला गया, जिससे खेती के प्रति रूची भी बढ़ती चली गई।

4. कार्य योजना (Activities) :

2016 में मात्र 1 एकड़ से काला धान, काला गेहूँ, नीला गेहूँ की खेती शुरू की थी, किन्तु जब तकनीकी ज्ञान एवं व्यावसायिक परिपक्ता हुआ तो इन फसलों का रकवा बढ़ाकर 4.0 एकड़ में किया। सोसल मीडिया /कृषि मेला/प्रदर्शनी आदि के माध्यम से क्रेताओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई, इससे प्रोत्साहित हो बागवानी में भी नए–नए उन्नत प्रभेदों के पेड़–पौधे लगाए।

5. परिणाम (Results) :

श्री सिंह आज के तारीख में काला धान, काला नमक सुगंधित धान, काला गेहूँ, नीला गेहूँ का रकवा बढ़कार 4 एकड़ कर दिया है, जिससे उनका वार्षिक आमदनी 4.00 लाख रुपये से बढ़कर 12.00 लाख रुपये हो गया है। इस कार्य के लिए उन्हें बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (भागलपुर) ने वर्ष 2021 में ''**उत्कृष्ट किसान पुरस्कार**'' से सम्मानित किया। वर्ष 2021–22 में ही आत्मा कार्यालय, गया द्वारा धान वर्ग के लिए ''**किसान श्री**'' से भी सम्मानित किया गया था। साथ ही विभिन्न सरकारी/गैर–सरकारी संस्थानों द्वारा समय–समय पर कृषि क्षेत्र में अतुलनीय कार्य के लिए सम्मानित किया है।

6. उत्प्रेरक संस्था (Facilitating Organization) :

I. कृषि विज्ञान केन्द्र, मानपुर, गया
II. बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), सबौर, भागलपुर
III. जिला कृषि/उद्यान कार्यालय, गया
IV. आत्मा कार्यालय, गया

7. फोटाग्राफ्स (Action Photographs of Activity) :

2021/11/13 12:54

किसान मेल 2021
SUGAR FREE & ANTIOXIDANTS
REDMI NOTE 9 PRO MAX
AI QUAD CAMERA
2021/2/21 11:02

जिला के नव चयनित
03/05/2023 13:37

2020-3-2 16:41

2021-11-6 15:28